LOCF Syllabus

M.A.

2021-22

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम:** डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर सिद्धो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र
   (Name of the Department/Centre): Dr.Babasaheb Ambedkar SidhoKanhuMurmu Dalit and Tribal Studies Centre

2. **पाठ्यक्रम का नाम:** एम.ए दलित एवं जनजातीय अध्ययन
Name of theProgramme: M.A., Dalit and Tribal Studies

3. **पाठ्यक्रम कोड:** एम.ए
   (Code of theProgramme: M.A

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
1.छात्रो मे दलित एवं जनजाती समुदाय के आधारित ज्ञान का प्रसार समाज मे रचनात्मक एवं आलोचनात्मक के साथ-साथ तर्क करने की चेतना का विकास करना जो की समुदायआधारित इतिहास,संस्कृति, राजनीति,आर्थिक व्यवस्था के सभी समस्या का समाधान पा सके। 2.छात्र सामाजिक जिम्मेदारी का दायित्व को समझते हुए दलित जनजाती समाज मे सतत विकास के कार्य के लिए प्रेरित होगे।	1.दलित एवं जनजाती अध्ययन द्वारा छात्र के अंदर आलोचनात्मक चेतना के विकास के बाद वह समाज मे समतामूलक समाज व राष्ट्र एकता निर्माण की स्थापना करने मे सहयोग करेगा। 2.सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, न्याय, शोषण आदि विषय पर नवीन शोध और विकास का कौशल निर्मित होगा।	1.यह पाठ्यक्रम छात्र को अपने भीतर विचारों के विश्लेषणात्मक कौशल को विकसित करता है तथा रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकता है। 2.विषय से संबंधित समुदायों के अधिकार, मुद्दे, शोषण पर बने स्यवं सेवा संस्था और गैर सरकारी संगठन पर रोजगार के अवसर का चुनाव करसकता है।

5. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):**
   - प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
   - क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा, तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
   - शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (CORE COURSE) (With course code &credits)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (ELECTIVE COURSE) (With course code &credits)	योग TOTAL
प्रथम सेमेस्टर	डी.टी.एस.सी101: दलित विचार के दार्शनिक आधार(4 Credits) DTSC101: PHILOSOPHICAL BASIS	डी.टी.एस.ई.105 : महात्मा फुले का जीवन एवं विचार(4Credits)	22

	OF DALIT THOUGHT (4 Credits) डी.टी.एस.सी 102: जनजातीय भारत का इतिहास (4 Credits) DTSC102: HISTORY OF TRIBAL INDIA (4 Credits) डी.टी.एस.सी103:दलित इतिहास (4 Credits) DTSC103: DALIT HISTORY (4 Credits) डी.टी.एस.सी. 104: भारतीय जनजातियों का समाजशास्त्र (4 Credits) DTSC104: SOCIOLOGY OF INDIAN TRIBES (4 Credits)	DTSE105: LIFE AND THOUGHTS OF MAHATMA PHULE(4 Credits) डी.टी.एस.ई.106 : प्राचीन भारत में सामाजिक सांस्कृतिक आंदोलन (2 Credits) DTSE106: SOCIO-CULTURAL MOVEMENTS IN ANCIENT INDIA (2 Credits)	
द्वितीय सेमेस्टर	डी.टी.एस.सी201 अम्बेडकर का जीवन एवं आंदोलन (4 Credits) DTSC201: LIFE AND MISSION OF AMBEDKAR(4 Credits) डी.टी.एस.सी.202: भारतीय जनजातीय संस्कृति(4 Credits) DTSC202: TRIBAL INDIAN CULTURE(4 Credits) डी.टी.एस.सी203: अम्बेडकर और भारत का संविधान (4 Credits) DTSC203: AMBEDKAR AND CONSTITUTION OF INDIA (4 Credits) डी.टी.एस.सी.204: दलित समाजशास्त्र (4 Credits) DTSC204: DALIT SOCIOLOGY (4 Credits)	डी.टी.एस.ई205:भारतीय समाज पर अम्बेडकर के विचार(4Credits) DTSE205: THOUGHTS OF AMBEDKAR ON INDIAN SOCIETY (4 Credits) डी.टी.एस.ई.206 : छत्रपति शाहू महाराज का जीवन एवं विचार(2 Credits) DTSE206: LIFE AND THOUGHTS OF CHATRAPATI SHAHU MAHARAJ (2 Credits)	22
तृतीय सेमेस्टर	डी.टी.एस.सी.301: दलित राजनीति (4 Credits) DTSC301: DALIT POLITICS (4 Credits) डी.टी.एस.सी.302 जनजातीय विकास (4 Credits) DTSC302: TRIBAL DEVELOPMENT	डी.टी.एस.ई305 : दलित भारतीय महानायक (4Credits)DTSE305: DALIT INDIAN LEADERS डी.टी.एस.ई 306:जनजाति भारतीय महानायक(4 Credits) DTSE306: TRIBAL	24

	डी.टी.एस.सी.303: दलित अर्थशास्त्र(4 Credits)DTSC303: DALIT ECONOMICS (4 Credits) डी.टी.एस.सी.304: दलित साहित्य (4 Credits)DTSC304: DALIT LITERATURE(4 Credits)	INDIAN LEADERS	
चतुर्थ सेमेस्टर	डी.टी.एस.सी.401: दलित नारी और आदिवासी नारी (4 Credits) DTSC401: DALIT WOMEN & ADIVASI WOMEN डी.टी.एस.सी.402 : दलित पर्यटन (4 Credits) DTSC402: DALIT TOURISM DTSC403: RESEARCH METHODOLY डी.टी.एस.सी. 403 : शोध प्रविधि (4 Credits)DTSC404: PROJECT WORK डी.टी.एस.सी. 404 : परियोजना कार्य (क्षेत्र कार्य/प्रस्तुतीकरण 01 क्रेडिट, डेझरटेशन 02, मौखिकी 01) (4 Credits: 1 Credit Field Work based presentation; 2 Credits Dissertation & 1 Credit for Viva-voce)	डी.टी.एस.ई.405: भारत के आर्थिक और राजनीति पर अम्बेडकर के विचार (4 Credits) DTSE405: THOUGHTS OF AMBEDKAR ON INDIAN ECONOMICS AND POLITICS डी.टी.एस.ई 406 : पेरियार ई.वी. रामासामी के जीवन और विचार (2 Credits) DTSE406: LIFE AND THOUGHTS OF E.V. PERIYAR RAMASWAMI	22
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम: दलित विचार के दार्शनिक आधार

(Name of the Course): Philosophical Basis of Dalit Thought

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC101

3. क्रेडिट(Credit): 4

4. **सेमेस्टर(Semester):** प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को दलित विचार के दार्शनिक आधार का सामान्य परिचय कराना है जिसमे मुख्य रूप से बुद्धा के धम्मा से लेकर अंबेडकर और आधुनिक एवं समकालीन काल के दलित इतिहासकार, बुद्धजीवी वर्ग, लेखक और राजनैतिज्ञ सभी के दलित विचार के दर्शन व प्रभाव का प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना और उन दार्शनिको के सकारात्मक भाव को समझना।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1.दलित विचार के दार्शनिक आधार से सामान्य ज्ञान प्राप्त करेगा।

2. दलित विचारको से ज्ञान प्राप्त कर समाज मे सामाजिक सामनता, प्रेम, भाईचारा व जीवन मे तार्किकता के महत्व को समझ सकेगा और उसका पालन आदर्श समाज की स्थापना करने मे सहयोग करेगा।

4. इस विचार के माध्यम से समाज व लोकतंत्र को सुदृढ करने मे योगदान दे सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	.सामाजिक दर्शन – .बुद्धा का धम्मा .तिरुवल्लुवर के .तिरुक्कुरल और .अन्य का प्रभाव	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	.राजनीतिक दर्शन – .18वी शताब्दी का ज्ञानोदय दर्शन .19वीशताब्दी का उदारवाद और	10	3	2	15	25

	.आधुनिक 20वी शताब्दी					
मॉड्यूल-3	.अंबेडकर एवं दलित विचार के दार्शनिक आधार	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	.दलित विचार मे समकालीन दार्शनिक का प्रभाव	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षाव्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर,व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वरा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	दलित विचार के संबंध मे दलित विचार के दर्शन से परिचित।	दलित विचार दर्शन के दलित दार्शनिक आधार को समझ सकेगा।	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Aloysius, G. (2010). *Dalit-subaltern Self-identifications: IyotheeThassar&Tamizhan*. Critical Quest. 2.Aloysius, G. (2015). *IyotheeThassar& Tamil Buddhist Movement: Religion as Emancipatory Identity*. Critical Quest. 3.Ambedkar, B.R. (1992).*Dr. Babasaheb Ambedkar: Writings and Speeches*. Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. 1 to 21. 4.Cahoone, L. (Ed.). (1996). From Modernism to Post Modernism: An Anthology. Blackwell Publishers. 5.Deshpande, G.P. (2002) *Selected Writings of JyotiraoPhooley*, New Delhi: Left Word. 6.Dhrmapala, A. (1992).*The world's debt to Buddha*. Maha Bodhi Society of India. 7.Dupr'e, Louis. (2004).*The Enlightenment and the Intellectual Foundations of Modern Culture*, New Haven: Yale University Press. 8.Fleischacker, Samuel. (2013). *What is Enlightenment? (Kant's Questions)*, New York: Routledge. 9.Jennings, Jeremy. (2011). "Early Nineteenth-Century Liberalism". In George Klosko. (Ed.), *The Oxford Handbook of the History of Political Philosophy*. Oxford. 10.Mahajan, S. (tr.). (2003). *Says Kabir: A Collection of One Hundred and Ten Poems of Kabir*. New Delhi: Deep&Deep Publications Pvt. Ltd. 11.Mukherjee, A.P. (2009) "B. R. Ambedkar, John Dewey, and the Meaning of Democracy", *New Literary History*, (Vol. 40, no.2,pp.345-370). India and the West Spring. The John Hopkins

		University Press. Narasu, P.L. (20012.5). *The Essence of Buddhism*. New Delhi: Asian Educational Services. 13.Phule, J.G. (1991). *Collected Works of Mahatma Jotirao Phule*, Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. I & II 14.Schmidt, James (ed.), (1996). *What is Enlightenment? Eighteenth-Century Answers and Twentieth-Century Questions*, Berkeley, CA: University of California Press. 15.Tiruvalluvar. (1999). *Tirukkural*. Chennai: International Institute of Tamil Studies. 16.Zelliot, Eleanor (1996). *From Untouchable to Dalit: Essays on the Ambedkar Movement*. Delhi: Manohar Publishers
2	ई-संसाधन	1. Stanford Encyclopedia of Philosophy. (2017).*Enlightenment.* https://plato.stanford.edu/entries/enlightenment/ 2. Velivada. *Democracy and Buddhism: Babasaheb Ambedkar on the Buddha and John Dewey*.https://velivada.com/2017/07/15/democracy-buddhism-babasaheb-ambedkar-buddha-john-dewey/ 3. Wikipedia. *Age of Enlightenment*. https://en.wikipedia.org/wiki/Age_of_Enlightenment 4. Wikipedia. *Liberalism*. https://en.wikipedia.org/wiki/Liberalism#:~:text=Liberalism%20is%20a%20political%20and,and%20equality%20before%20the%20law. 5. Wikipedia. *Modernism*. https://en.wikipedia.org/wiki/Modernism 6. Wikipedia. *John Dewey.* https://en.wikipedia.org/wiki/John_Dewey
3	अन्य	------

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम: जनजातीय भारत का इतिहास
(Name of the Course): History of Tribal India

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC102

3. क्रेडिट (Credit):4

4**. सेमेस्टर (Semester):**प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य जनजातीय भारत के इतिहास का सामान्य परिचय बताते हुये छात्रो को भारतीय जनजातीय अध्ययन से परिचित करानाऔर प्राचीन काल से समकालीन तक के भारतीय जनजातीय इतिहास मे रुचि व प्रारंभिक ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. छात्र जनजातीय भारत के इतिहास से परिचित होगा और पूर्व व वर्तमान की स्थिति मे अंतर को जान सकेंगे।
2. जनजातीयो के इतिहास लेखन दृस्टिकोण के आयाम को समझने का प्रयास करेंगे।
3. जनजातीय समुदाय के संरक्षण के लिए प्रेरित हो सकेगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	जनजाति इतिहास लेखन के विभिन्न दृष्टिकोण।	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	प्राचीन और मध्य भारत मे जनजाति।	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	ब्रिटिश भारत मे जनजाति।	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	समकालीन भारत मे जनजाति।	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वरा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	जनजातीय भारत के इतिहास की अवधारणा को समझना	विषय की प्रासंगिकता को समझना	--	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.अटल एवं सिसोदिया.,(2011),*आदिवासी भारत*.जयपुर: रावत प्रकाशन. 2.मीना,मंगलचंद(2019), *भारत का जनजातीय इतिहास*, जयपुर, रावत प्रकाशन, 3.हसनैन, नदीम. छठा संस्करण (2001). *जनजातीय भारत*: नई दिल्ली: जवाहर पबलिशर्स **4.**Chaudhry, S.K, and Patnaik,S.M (2008). *IndianTribesand the Mainstream.* Jaipur: Rawat Publication. 5.Saksena, H.S, (2018), *Tribal Studies and Beyond*, Jaipur, Rawat Publication. **6.**Taradatt, (2001). *Tribal Development in India*. New Delhi: Gyan Publishing House.
2	ई-संसाधन	1. https://en.wikipedia.org/wiki/Adivasi 2. https://www.jstor.org/stable/41364254?seq=1 3.http://factsanddetails.com/india/Minorities_Castes_and_Regions_in_India/sub7_4h/entry-4216.html
3	अन्य	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम: दलित इतिहास
(Name of the Course): DalitHistory

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC103

3. क्रेडिट(Credit): 4

4. **सेमेस्टर(Semester):** प्रथम

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को दलित इतिहास से सामान्य परिचय कराते हुए दलित इतिहास के बारे मे ऐतिहासिक दृस्टिकोण के माध्यम से प्राचीन काल से लेकर समकालीन काल तक के इतिहास के प्रति रुचि तथा प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. दलित इतिहास के अध्ययन से दलितो के बारे मे सामान्य ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. दलित इतिहास के द्वारा दलित समुदाय के उत्पत्ति, सामाजिक स्थिति, विकास को काल खंडो के अनुसार जान सकेगा।
3. इसके अध्ययन से दलित इतिहास को जान सकेगे।
4. दलित इतिहास मे शोध के अवसर खुल सकेगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/Training/Laboratory)		
मॉड्यूल-1	दलित ऐतिहासिक विचार: इतिहास के दृस्टिकोण	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	प्राचीन और मध्यकाल मे दलित	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	आधुनिक काल मे दलित (1956 तक)	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	समकालीन काल मे दलित	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वरा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	दलित समुदाय के इतिहास का ऐतिहासिक दृस्तिकोण	प्राचीन काल से समकालीन काल तक के इतिहास की समीक्षा	वर्तमान मे मे सामाजिक स्थिती का परिचय	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Ambedkar, B.R. (1992).*Dr. Babasaheb Ambedkar: Writings and Speeches*. Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. 1 to 21. 2.Basham, A.L. (1991).rpt.*The Wonder that was India.* Delhi: Rupa. 3.Basham, A.L. (Ed.). (1985) *A cultural history of India.* Delhi: Oxford University Press. 4.Biswas, A.K. (1996). *Social and cultural vision of India*. Delhi: Pragati Publications. 5.Biswas, Oneil. (2001). *Dalits after Partition*. Delhi:

		Bluemoon Books. 6.Chandra, Bipin. (1989). India's struggle for Independence. Delhi: Penguin. 7.Chandra, Satish. (2001). *Historiography, Religion and State in Medieval India*. Delhi: Har-Anand. 8.Deshpande, G.P. (2002) *Selected Writings of JyotiraoPhooley*, New Delhi: Left Word. *9.Jaideva, P. (2002). Dalits in Early Buddhism. Delhi: Kalpaz Publications.* 10.*Jha, D.N. (2001). Ancient India in Historical Outline. Delhi: Manohar.* 11.Mani, B.R. (2007). *Debrahmanising History: Dominance and Resistance in Indian Society.* New Delhi: Manohar. 12.Phule, J.G. (1991). *Collected Works of Mahatma Jotirao Phule*, Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. I & II. 13. Rao, M.S.A. (1979). *Social Movements and Social Transformation*. Delhi: Manohar. 14.Rao, M.S.A. (2000). *Social Movements in India*. Delhi: Manohar. 15.Rodrigues, V. (Ed.). (2002). *The essential writings of B.R. Ambedkar*. Delhi: Oxford University Press. 16.Sarkar, Sumit. (1983). *Modern India 1885-1947*. Delhi: MacMillan. 17.Sharma, R.S. (1983). Perspective in Social and Economic History of Early India. Delhi: MunshiramManoharlal.
2	ई-संसाधन	1."Ambedkar Jayanti 2017: Here's a look at Dalit History Month to explore forgotten narratives". *Firstpost*. Retrieved December 8, 2019. 2.Arvind Kumar Thakur (2019). "New Media and the Dalit Counter-public Sphere". *Television & New Media*. SAGE Publications. 3. *"#DalitWomenFight Brings Fight Against Caste-Based Violence to U.S." NBC News. Retrieved December 8, 2019.*

		4.Harad, Tejas (April 26, 2017). "Writing Our Own Histories – Why We Need Dalit History Month". *Feminism In India*. Retrieved December 8, 2019. 5.Krishnan, Mini (April 13, 2018). "Celebrating Dalit History Month". *The Hindu*. ISSN 0971-751X. Retrieved December 8, 2019.
3	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा
Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय जनजातियों का समाजशास्त्र
(**Name of the Course):** Sociology of IndianTribes

2.पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): DTSC104

3.क्रेडिट (Credits): 4
4. छमाही (Semester): प्रथम
5.पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course): इस पाठ्यचर्या में 4 ईकाई है प्रत्येक ईकाई में मुख्य रूप से शीर्षक दिए हुए है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्युटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो /क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिट	60

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम: (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थीयों को इस पाठ्यचर्या को पढ़ने के बाद उनको जनजातीय समाज के बारें में जानने का अवसर मिलेगा.
- जनजाति समुदाय का स्थान समाजशास्त्र के विषय में किस प्रकार से है इससे अवगत हो जायेंगे.
- इस माध्यम से विद्यार्थीयों जनजाति समाज से जुड़े हुए पहलुओं से सबंधित ज्ञान अर्जित कर सकेंगे

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्युटोरिल	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/Laboratory)		
मॉड्यूल-1	ईकाई 1)समाजशास्त्र की पृष्टभूमि और जनजातीय समाज 1.1) भारत में समाजशास्त्र का उदभव 1.2)जनजातीय समाज एवं जाति	10	3	2	15	25

मॉड्यूल-2	ईकाई 2) भारतीय जनजातियों का सामान्य परिचय 2.1) *भारतीय जनजातियों का वर्गीकरण*: अ) भाषा के आधार पर जनजातियों का वर्गीकरण ब) सांस्कृतिक संपर्क के आधार पर जनजातियों का वर्गीकरण, क) धार्मिक सबंधता के आधार पर वर्गीकरण, ड) प्रजातीय तत्वों के आधार पर वर्गीकरण, ई) आर्थिक संरचना के आधार पर वर्गीकरण 2.2) *भारत की जनजातियों का नृजातीय अध्ययन*: अ) उत्तरी क्षेत्र की जनजातियाँ ब) पूर्वोत्तर प्रदेश की जनजातियाँ, क) पश्चिम क्षेत्र की जनजातिय ड)पूर्वी क्षेत्र की जनजाति ई) मध्यक्षेत्र की जनजातियाँ ड) दक्षिण क्षेत्र की जनजातियाँ	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	ईकाई:3 जनजातीय समाज की सामाजिक संरचना एवं सामाजिक संस्थाएं अ)परिवार संस्था ब)विवाह के प्रकार क)नातेदारी एवं गोत्र व्यवस्था ड)आर्थिक संगठन इ) राजनीतिक संगठन	10	3	2	15	25

मॉड्यूल -4	ईकाई 4 : सामाजिक परिवर्तन एवं समकालीन जनजातीय समाज: अ)आधुनिकता एवं उत्तरआधुनिकता, ब)जनजातीय समाज पर वैश्विकरण का प्रभाव क)सामाजिक परिवर्तन एवं सांस्कृतिक परिवर्तन ड)सामाजिक परिवर्तन के कारक ई) उभरता जनजाति परिदृश्य ई) महाराष्ट्र के जनजातीय समाज	10	3	2	15	25
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ तकनीक एवं उपादान

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद,ट्युटोरियल
तकनीक	पी.पी.टी.प्रस्तुति, प्रोजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र
उपादान	संबधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल विकास

9.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOS) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcomes Matrix

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOS) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcomes Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम	पाठ्यचर्या के माध्यम से भारत के जनजाति	इस विषयमें पाठ्यचर्या केअंतर्वस्तु	-	-	-	-		-

परिणाम की प्राप्ति	समाजशास्त्र के विषय में एक समझ विकसित हो सकती है	के माध्यम से परिचित करना है						

टिप्पणी:

1.X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2.एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/परीक्षा योजना Evaluation/Examination Planing):

क) सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मुल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75 %)
घटक	कक्षा में सतत मुल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Text books Reference/Resources)

क्र.सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण APA प्रारूप में**
2)	संदर्भ–ग्रंथ	1)Thakur, N.(2016). An Introduction to Sociology.दिल्ली : Central Law Publications. 2) हसनैन,न.(2004).जनजातीय भारत.नई दिल्ली:जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूस 3) भालेराव, सा.,व धारवाडकर,दि.(2015). नई दिल्ली: इशिका पब्लिशिंग हाउस. 4) अटल,यो.व.,व सिसोदिया यातिन्द्र सिंह (2011)आदिवासी भारत.जयपुर: रावत पब्लिकेशन्स. 5) दोषी,एस.एल.(2009).समकालीन मानवशास्त्र.जयपूर: रावत पब्लिकेशन्स. 6) पाण्डेय,ग. व पाण्डेय अ.(2009).सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक नियंत्रण. नई दिल्ली:राधा पब्लिकेशन्स.
3)	ई-संसाधन	1.Tribal Communities in India: Sociology Optional Mains Notes. https://www.sociologygroup.com/tribal-communities-sociology-notes 2) Module 6 TRIBES IN INDIA .http://khejuricollege.in/UploadedFiles/39790A06%20TRIBES%20IN%20INDIA.pdf 3)The concept of tribe with special reference to India. https://www.jstor.org/stable/23999264 *4) The Changing Culture of an Indian Tribe.https://www.nature.com/articles/131711b0* *5) Tribe.https://en.wikipedia.org/wiki/Tribe* *6)Definitional problems of Tribes.https://abhipedia.abhimanu.com/Article/sociology/MTAzNjU1/Definitional-problem-of-Tribes-Indian-Society---Structure-and-Change--sociology*
4)	अन्य	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा
Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम: महात्मा फुले का जीवन एवं विचार
(**Name of the Course):**
Life and Thoughtsof Mahatma Phule

2.पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course)DTSE105

3.क्रेडिट(Credit): 4

4.छमाही(Semester): प्रथम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो /क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिट	60

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course): इस पाठ्यचर्या में 4 ईकाई है प्रत्येक ईकाई में मुख्य रूप से शीर्षक के साथ उपशीर्षक भी दिए गए है। प्रस्तुत पाठ्यचर्या **में** महात्मा फुले के जीवन और रचनात्मक कार्यों से सविस्तर प्रकाश डाला है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों में रूचि निर्माण करना है साथ ही विद्यार्थियों के सामने महात्मा फुले विचारों से परिचित करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम: (CLOs (Course Learning Outcomes)

- इस पाठ्यचर्या से महात्मा फुले के विचारों से परिचित करवाना।
- महात्मा फुले के कार्यों से अवगत करना ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों को प्रेरित करना।
- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थीयों को महात्मा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के कार्यों से सबंधित ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्युटोरिल	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/Laboratory)		

मॉड्यूल 1	ईकाई 1) महात्मा फुले का जीवनदर्शन : 1.1) महात्मा फुले काजीवन 1.2) महिलाएं और शूद्रों के लिए शिक्षा 1.3) महिलाओं के अधिकार 1.4) ब्राम्हणवाद और अस्पृश्यता का विरोध	10	3	2	15	25
मॉड्यूल 2	ईकाई 2) महात्मा फुले का वैचारिक दृष्टिकोण : 2.1) महात्मा फुले का धार्मिक दृष्टिकोण 2.2) महात्मा फुले के शैक्षणिक विचार 2.3) महात्मा फुले के सामाजिक चिंतन 2.4) गुलामगिरी 1873	10	3	2	15	25
मॉड्यूल 3	ईकाई 3) महात्मा फुले रचनात्मक कार्य: **3 .1)** सत्यशोधक समाज की स्थापना **3 .2**) तृतीय रत्न 1855 3.3 ब्राम्ह्राचे कसब 1869 3 .4) पोवाडा 3 .5) शेतकरयाचा असुड 3..6) सत्सार जून 1885 2.7) ईशारा अक्टूबर 1885 2.8) सार्वजानिक सत्यधर्म पुस्तक,अप्रैल 1889 2.9) अस्पृशांची कैफियत	10	3	2	15	25
मॉड्यूल 4	ईकाई 4) सावित्रीबाई फुले का जीवन दर्शन एवं कार्य 4.1) भारत की पहेली शिक्षिका के रूप में कार्य 4.2) महिलओं के लिए सावित्रीबाई फुले का योगदान	10	3	2	15	25
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches,Method,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	पाठ्यचर्या से संबंधित विषय के ज्ञान को प्राप्त करना
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद,ट्युटोरियल
तकनीक	पी.पी.टीप्रस्तुति, प्रोजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र
उपादान	संबधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOS) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcomes Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOS) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcomes Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	पाठ्यचर्या के माध्यम से महात्मा फुले के विचारों से विद्यार्थियों को प्रेरित करना।	महात्मा फुले के कार्यों से विद्यार्थियों को परिचित करना	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/परीक्षा योजना Evaluation/Examination Planing):

क.)सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मुल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75 %)
घटक	कक्षा में सतत मुल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Text books Reference/Resources)

क्र.सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण APA प्रारूप में**
1)	संदर्भ–ग्रंथ	1.Keer,Dhananjay.(1994).MahatmaJotiraoPhoole.Bombay:PopularPrakashan. 2.Phule, j.G.(1991).Collected Works of Mahatma Jotirao Phule, Bombay:Education ,Goverment of Maharashtra .Vol.I& II. 3.फुले, ज्योतिराव (1873).गुलामगिरी. पुणे: पुना सिटी प्रेस.
2)	ई-संसाधन	1)Jyotiraophule. https://en.wikipedia.org/wiki/Jyotirao_Phule 2) ज्योतिबा-फुले-जीवनी jivani.org/Biography/86 3)शेतकऱ्याचा_असूडhttps://mr.wikisource.org/wiki/ **4)Savitribai phule.**https://en.wikipedia.org/wiki/Savitribai_Phule **5) सावित्री बाई फुले: http://thewirehindi.com/67836/remembering-social-reformer-and-educationalist-savitri-bai-phule/** **6) सावित्री बाई फुले के योगदान को जिस तरह याद करना चाहिए, वैसे नहीं किया**

		जाता.https://hindi.theprint.in/opinion/contribution-of-savitribai-phule-should-be-remembered/108185/ **4) सावित्री बाई फुले की 189 वीं जयंती – उनके नारीवादी विचार अभी भी प्रासंगिक हैं .**https://www.womensweb.in/hi/2020/01/savitribai-phule-189-birth-anniversary-hindi-mein-janw1/
3)	अन्य	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

1.पाठ्यचर्या का नाम: प्राचीन भारत मे सामाजिक सांस्कृतिक आंदोलन

(Name of the Course): Socio-CulturalMovementsinAncientIndia

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSE106

3. क्रेडिट(Credit):2

4. **सेमेस्टर(Semester):**प्रथम

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को प्राचीन भारत के सामाजिक सांस्कृतिक आंदोलन से सामान्यपरिचय व रुचि पैदा कर प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. प्राचीन भारत के सामाजिक सांस्कृतिक आंदोलनसे परिचित और सामान्य ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. चार्वाक और बुद्ध के विचार दर्शन और तार्किक ज्ञान के प्रति अपनी समझ को विकसित कर सकेगा।
3. समाज मे ज्ञान को विकसित करने योगदान दे सकेगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1.चार्वाक दर्शन – 1.1.चावार्क दर्शन का आधार 1.2.ऐतिहासिक दृस्टिकोण 1.3.प्रमाणवाद 1.4.अनीशवरवाद 1.5.सुखवाद 1.6.नैतीक दर्शन 1.7.लोकायत दर्शन	10	3	2	15	50

	चार्वाक दर्शन का 1.8.योगदान 1.9.बुद्धा के समकालीन					
मॉड्यूल-2	1.बुद्धा दर्शन – 1.1जन्म से गृह त्याग तक 1.2.धम्मदीक्षा . 1.3.बुद्धा की शिक्षा 1.4धम्म का सार 1.5.महापरिनिवार्ण	10	3	2	15	50
योग		**20**	**6**	**4**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वरा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रो को विषय से संबंधित पाठय पुस्तको को पढने के लिये प्रेरित करना	छात्रो मे ज्ञान व तर्क की क्षमता का विकास करना	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1. गौतम, एस.एस , 2010, चार्वाक दर्शन , दिल्ली , गौतम बुक सेंटर 2. नरसू , पी., 2011, दूसरा संस्करण.,*बुद्ध धम्म का सार*: दिल्ली, सम्यक प्रकाशन. 3.बौद्ध .,जुगल किशोर.(**Ed).** (2016),*भगवान बुद्ध और उनका धम्म* : दिल्ली,सम्यक प्रकाशन. 4.राजन, हेमंत. कुमार, 2017, समाज निर्माण मे बौद्ध धर्म का योगदान, दिल्ली, सिद्धार्थ बुक्स 5.Ahir.D.C.(1988), *Buddhism*, Delhi: B.R.Publishing Corporation 6.Ambedkar.B.R, (1984), *The Buddha And His Dhamm*, Siddharth Publications, Bombay.
2	ई-संसाधन	1.https://en.wikipedia.org/wiki/Charvaka 2.https://www.ancient.eu/Charvaka/ 3.https://en.wikipedia.org/wiki/The_Buddha_and_His_Dhamma
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम: अंबेडकर का जीवन एवं आंदोलन
(Name of the Course): Life and Mission of Ambedkar

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: DTSC201
(Code of the Course)

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर (Semester):**द्वितीय

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को डॉ. अंबेडकर के जीवन एवं आंदोलन सेसामान्य परिचय कराते हुए अंबेडकर के जीवन संघर्ष का प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. अंबेडकर जैसे महान व्यक्ति के जीवन एवं आंदोलन से परिचित और सामान्य ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. छात्र अध्ययन के बाद समाज मे व्याप्त जाति व्यवस्था, सामाजिक असमानता को समाज से समाप्त करने के लिए जागृत तथा दूसरो को प्रेरित करेगा।
3. राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की दिशा मे समाज के सभी समुदाय के साथ मेल मिलाप कर एक श्रेष्ठ भारत के निमार्ण मे योगदान दे सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	प्रारंभिक जीवन, शिक्षा और व्यवसाय	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	अम्बेडकर1920 से 1930 तक	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	अम्बेडकर1930 से 1956	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	अम्बेडकर पर पूर्वी और पश्चिमी विचारकों का प्रभाव	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वरा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रो के बीच अम्बेडकर के बाल्यकाल से लेकर उनके संघर्ष व एक राष्ट्र निमार्ण के कार्य को पढने के लिए प्रेरित व रुचि का विकास	अम्बेडकर के सामाजिक विचार को समाज मे विकसित करना जिससे सामाजिक समानता का निमार्ण हो	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Jatav, D.R. (2002). *Politics of B.R. Ambedkar in National Movement*. Jaipur: National Publishing House. 2.Keer, Dhananjay. (2002). Reprint. *Dr. Ambedkar: Life and Mission*, Mumbai: Popular Prakashan. 3.Omvedt, Gail. Ambedkar: Towards an Enlightened India. New Delhi: Pengin Books India (P) Ltd. 4.Rattu, Nanak Chand. (1995). *Reminiscences and Rememberances of Dr. B.R. Ambedkar.* Delhi: Falcon Books. 5.Rattu, Nanak Chand. (2001). *Dr. Ambedkar: Important Messages, Sayings, Wit and Wisdom*. New Delhi: Rajgriha. 6.Rattu, Nanak Chand. (2001). *Little Known Facets of Dr. Ambedkar*. New Delhi: Focus Impressions.
2	ई-संसाधन	--
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा
Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम: जनजातीय भारतीय संस्कृति

(Name of the Course): Tribal Indian Culture

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): DTSC202

3.क्रेडिट: (Credit) : 4

4.छमाही(Semester) :द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्युटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो /क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिट	60

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):

- इस पाठ्यचर्या में 4 ईकाई है प्रत्येक ईकाई में मुख्य रूप से शीर्षक दिए हुए है साथ ही उपशीर्षक भी दिए गए है।
- इस प्रस्तुत पाठ्यचर्या के द्वारा भारत के समस्त जनजाति के संस्कृति पर प्रकाश डाला है।
- जनजाति की संस्कृति उनकी भाषा, धर्म ,नृत्य,संगीत,कलाएँ कैसे अन्य समुदाय से यह अलग है यह इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित किया जाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes):

- इस पाठ्यचर्या से जनजातीय समाज को पढ़ने के बाद उनको जनजातीय समाज के बारें में जानने का अवसर मिलेगा।
- जनजाति समुदाय की संस्कृति से रूबरू हो जायेंगे ।
- इस माध्यम से विद्यार्थीयों को जनजाति समाज से जुड़े हुए पहलुओं से सबंधित ज्ञान अर्जित कर सकेंगे साथ ही जिसके द्वारा भविष्य में जनजाति समुदाय पर शोध करने के दृष्टि के दिशा में एक नई पहल निर्माण हो सकती है।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course
		व्याख्यान	ट्यूटोरिल	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला(Interaction/ Training/Laboratory)		
मॉड्यूल 1	ईकाई 1) *जनजातीय अवधारणा का अर्थ एवं पहचान:* 1.1)विभिन्न दृष्टिकोणों से जनजातीय की अवधारणा : 1.2) ब्रिटिश दृष्टिकोण 1.3) भारतीय दृष्टिकोण 1.4) जनजाति समुदाय का दृष्टिकोण 1.5)जनजातीय का संविधानिक अर्थ 1.6) पंचशील के सिद्धांत	10	3	2	15	25
मॉड्यूल 2	ईकाई 2) भारतीय जनजातियों का जीवन 2.1)भारतीय जनजातियों का सामाजिक जीवन 2.2) भारतीय जनजातियों का राजनीतिक जीवन 2.3) भारतीय जनजातियों का धार्मिक जीवन	10	3	2	15	25
मॉड्यूल 3	ईकाई 3) जनजातीय संस्कृति: **3.1)** जनजातीय जीवन चक्र एवं व्यक्तित्व संरचना 3.2) भारतीय जनजातीय समुदाय और उनकी संस्कृति 3.3) जनजातीय नृत्य एवं संगीत 3.4) जनजातीय भाषाए 3.5) जनजातीय धर्म 3.6) जनजातीय लोकसाहित्य एवं कला	10	3	2	15	25

मॉड्यूल 4	ईकाई 4) जनजातीय समाज और समस्याओं के विभिन्न उपागम: 4.1)प्रमुख समस्याएं 4.2) जनजाति एवं जंगल 4.3) वन, जनजातियाँ एवं वन नीति 4.4) जनजातीय अस्मिता (पहचान) की समस्या एवं समाधान 4.5) भारतीय जनजातियों में मातृवंशीयता 4.6) जनजातीय समाज की परिवर्तन की प्रक्रियाएँ	10	3	2	15	25
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान : (Approaches,Method,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	पाठ्यचर्या से संबंधित विषय के ज्ञान को प्राप्त करना
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद,ट्युटोरियल
तकनीक	पी.पी.टीप्रस्तुति, प्रोजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र
उपादान	संबधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOS) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcomes)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा	पाठ्यचर्या के माध्यम	संस्कृति सेसंबंधित	-	-	-	-	-	-

नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	से भारत के जनजाति समाज की सांस्कृतिक अस्मिता को बनाएं रखना	जनजातीय समाज के प्रतिको को कायम रखना						

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/परीक्षा योजना Evaluation/Examination Planing):

क) सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मुल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75 %)
घटक	कक्षा में सतत मुल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख.परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Text books Reference/Resources)

क्र.सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण APA प्रारूप में**

1)	संदर्भ –ग्रंथ	1)अटल,यो.व.,व सिसोदिया यातिन्द्र सिंह. (2011)आदिवासी भारत.जयपुर: रावत पब्लिकेशन्स. 2) अनुज,भुवनेश्वर.(2013).झारखण्ड के शहीद. राँची:झारखण्ड झरोखा. 3) भालेराव, सा.,व धारवाडकर,दि.(2015). नई दिल्ली: इशिका पब्लिशिंग हाउस. 4) दोषी,एस.एल.(2009).समकालीन मानवशास्त्र.जयपूर: रावत पब्लिकेशन्स 5)गुप्ता,रमणिका.(2012).आदिवासी शोर्य एवं विद्रोह.नई दिल्ली:राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड. 6) गुप्ता,रमणिका.( ).आदिवासी कौन. नई दिल्ली:राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड. 7)) हसनैन,न.(2004).जनजातीय भारत.नई दिल्ली:जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूस 8)पाण्डेय,गया.(2007) भारतीय जनजातीय संस्कृति. नई दिल्ली:कंसैप्ट पब्लिशिंग कम्पनी. 9) पाण्डेय,ग. व पाण्डेय अ.(2009).सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक नियंत्रण. नई दिल्ली:राधा पब्लिकेशन्स. 10)Patnaik,S.M.(2011).Culture, Identity and Development. Jaypur:Rawat Publications. 11) सिंह, जगवीर.(2014).आदिवासी दलित संस्कृति, दिल्ली: हरी बुक्स,दिल्ली
2)	ई-संसाधन	**1)Tribal Education in India.**https://www.culturalsurvival.org/publications/cultural-survival-quarterly/tribal-education-india **2) Tribal Culture.** https://intranet.cb.amrita.edu/dept/cse/tribalfoods.nilgiri/tribal_culture.html **3)** Tribal Culture and Economic Growth.https://www.perc.org/2013/12/04/tribal-culture-and-economic-growth/ **4)**Adivasi.https://en.wikipedia.org/wiki/Adivasi **5) Tribal religions in india.** https://en.wikipedia.org/wiki/Tribal_religions_in_India 6) The Tribal Man in India: A Study in the Ecology of the Primitive Communities.https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-94-010-2331-3_11
3)	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम: अम्बेडकर और भारत का संविधान
(Name of the Course): Ambedkar and Contitution of India

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:DTSC203
(Code of the Course)

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**द्वितीय

पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को अम्बेडकर और भारत का संविधान से सामान्य परिचय व रुचि पैदा कर प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. छात्र अंबेडकर और भारत का संविधान विषय से परिचित और सामान्य ज्ञान प्राप्त करेगे।
2. छात्र अंबेडकर और भारतीय संविधान की विशेषता, महत्त्व,को एक उत्तम समाज के निर्माण करने के लिए जागृत होंगे ।
3. संविधान मे दिये गए कानून का पालन राष्ट्रीय एकता व सौहार्द के लिए कर सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	अम्बेडकर और भारतीय संविधान का निर्माण	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	अम्बेडकर और भारतीय संविधान का सामाजिक दर्शन	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	अम्बेडकर और भारतीय संविधान का राजनीतिक दर्शन	10	3	2	15	25

मॉड्यूल-4	अम्बेडकर और भारतीय संविधान का आर्थिक दर्शन	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वरा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रो मे अम्बेडकर और भारत के संविधान के सामाजिक, राजनितिक, और आर्थिक के विभिन्न दर्शन के प्रति	छात्रो को विषय से संबंधित पाठय पुस्तको को पढने के लिये प्रेरित करना	-	-	-	-	-	-

	समग्र समझ रुचि व विकास को जागृत करना							

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Ambedkar, B.R. (1992).*Dr. Babasaheb Ambedkar: Writings and Speeches*. Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. 1 to 21. 2.Biswas, A.K. (1996). *Social and cultural vision of India*. Delhi: Pragati Publications. 3.Busi, S.N. (2016). *B.R. Ambedkar: Framing of Indian Constitution*. Vol. I - VI. Hyderabad: Ava Publications. 4.Gore, M.S. (1993). *The social context of an Ideology: Ambedkar's political and Social Thought.* Delhi: Sage. 5.Jatava, D.R. (1997). *Social Philosophy of B.R. Ambedkar*. Jaipur: Rawat. 6.Keer, D. (1971) Dr. Ambedkar: Life and Mission. Bombay: Popular Prakashan. 7.Omvedt, Gail. (1995). *Dalit Visions*. Delhi: Orient Longman. 8.Rodrigues, V. (Ed.). (2002). *The essential writings of B.R. Ambedkar*. Delhi: Oxford University Press. 9.Thorat, Sukhadeo, Aryama. (Ed.). *Ambedkar in Retrospect: Essays on Economics, Politics & Society*. Jaipur: Rawat Publications.
2	ई-संसाधन	--
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम: दलित समाजशास्त्र
(Name of the Course): Dalit Sociology

2. पाठ्यचर्या का कोड:DTSC204
(Code of the Course)

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**द्वितीय

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को दलित समाजशास्त्र से सामान्य परिचय कराना और विषय के प्रति रुचि तथा प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. दलित समाजशास्त्र के अध्ययन से दलित समाजशास्त्र के अवधारणा को समझ सकेगे।
2. सामाजिक न्याय,अधिकार,मुद्दे आदि के लिए संवैधानिक कानून द्वारा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मानव सेवा कार्य कर सकेगा ।
3. दलित सामाजिक कार्य के लिए स्वय सेवा संस्था व गैर सरकारी संगठन मे कार्यकरने के अवसर प्राप्त कर सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	दलित सामाजिक विचार	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	दलित समाज: धर्म और संस्कृति	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	दलित अधिकार, सामाजिक न्याय और दलित सामाजिक संगठन	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	दलित प्रवासी	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वरा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रो मे जाति, धर्म, संस्कृति के दलित सामाजिक विचार के प्रति समझ का विकास करना	विषय के लेखन कौशल मे छात्र को पारंगत बनाना	संबंधित विषय मे पाठय पुस्तको को पढने का विकास	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Ambedkar, B.R. (1992).*Dr. Babasaheb Ambedkar: Writings and Speeches*. Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. 1 to 21. 2.Biswas, A.K. (1996). *Social and cultural vision of India*. Delhi: Pragati Publications. 3.Ghurye, G.S. (2000). *Caste and Race in India*, 1932, 5th edn. Bombay: Popular Prakashan. 4.Gore, M.S. (1993). *The social context of an Ideology: Ambedkar's political and Social Thought.* Delhi: Sage. 5.Gupta, Dipankar. (Ed.). (1991). *Social Stratification*.

		Delhi: Oxford University Press. 6. Guru, Gopal. (1999). 'The Dalit Movement in Mainstream Sociology', in S.M. Michael, (Ed.). *Dalits in Modern India*. Delhi: Vistar Publications. 7.Jatava, D.R. (1997). *Social Philosophy of B.R. Ambedkar*. Jaipur: Rawat. 8.Keer, D. (2000) Mahatma Jotirao Phule: Father of Indian Social Revolution. Bombay: Popular Prakashan. 9.Keer, D. (1971) Dr. Ambedkar: Life and Mission. Bombay: Popular Prakashan. 10.Louis, Prakash. (2003). *Political Sociology of Dalit Assertion*, Delhi: Gyan Publishing House. 11.Mandavkar, Pavan. "Dalit Literature Movement and Dalit Feminism". In *Research Journal of India*. Vol I, (1).2014. 12.Michael, S.M.(Ed.). (1999). *Dalits in Modern India*. Delhi: Vistar Publications. 13.Omvedt, Gail. (1994). *Dalits and the Democratic Revolution: Dr. Ambedkar and the Dalit movement in Colonial India*. Delhi: Sage. 14.Omvedt, Gail. (1995). *Dalit Visions*. Delhi: Orient Longman. 15.Omvedt, Gail. 'Reservation in the Private Sector' The Hindu, 22 January 2001. 16.Rao, M.S.A. (1979). *Social Movements and Social Transformation*. Delhi: Manohar. 17.Rodrigues, V. (Ed.). (2002). *The essential writings of B.R. Ambedkar*. Delhi: Oxford University Press. 18. Shah, Ghanshyam. (1990). Social Movements in India: A review of the Literature. Delhi: Sage. 19.Yadav, K.C. (Ed.). (2000). *From Periphery to Centre Stage: Ambedkar, Ambedkarism and Dalit Future*. Delhi: Manohar. 20.Zelliot, Eleanor (1996). *From Untouchable to Dalit: Essays on the Ambedkar Movement*. Delhi: Manohar Publishers.
2	ई-संसाधन	--
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम:भारतीय समाज पर अम्बेडकर के विचार
(Name of the Course): Thoughtsof Ambedkar on Indian Society

2. पाठ्यचर्या का कोड:DTSE205
(Code of the Course)

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**द्वितीय

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को डॉ.अम्बेडकर के सामाजिक विचार से सामान्य परिचय व रुचि पैदा कर प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. अम्बेडकर के भारतीय समाज के सामाजिक विचार से परिचित और सामान्य ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. छात्र अध्ययन के बाद अंबेडकर के सामाजिक विचार से प्रेरित होकर समाज मे समानता, भाईचारा, व स्वंतनंत्रता के लिए जागृत तथा दूसरो को प्रेरित करेगा।
3. लोकतंत्र को मजबूत बनाने मे समाज के सभी लोगो के समान भागीदारी के दिशा मे योगदान दे सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भारत में वर्ण और जाति समाज, शूद्र वर्ण	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	अस्पृश्यता औरजाति का निर्मूलन	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	हिंदू स्त्री का उत्थान और पतन और हिंदू कोड बिल	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	समाज का पुनर्निर्माण	10	3	2	15	25

	और बौद्धिक वर्ग की भूमिका					
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वरा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	भारतीय समाज के सामजिक विचार के प्रति रुचि, जागृत व समझ का विकास	विचार को समाज मे विकसित करना जिससे सामाजिक समानता का निमार्ण हो	संबंधित विषय मे पाठ्य पुस्तको को पढने का विकास	विषय के लेखन कौशल मे छात्र को पारंगत बनाना	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Ambedkar, B.R. (1992).*Dr. Babasaheb Ambedkar: Writings and Speeches*. Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. 1 to 21. Particularly 1, 5,7, & 14. 2.Gore, M.S. (1993). *The social context of an Ideology: Ambedkar's political and Social Thought.* Delhi: Sage. 3.Jatava, D.R. (1997). *Social Philosophy of B.R. Ambedkar*. Jaipur: Rawat.

		4.Omvedt, Gail. Ambedkar: Towards an Enlightened India. New Delhi: Pengin Books India (P) Ltd. 5.Rodrigues, V. (Ed.). (2002). *The essential writings of B.R. Ambedkar*. Delhi: Oxford University Press.
2	ई-संसाधन	--
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्युटोरियल /संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो /क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिट	30

1.पाठ्यचर्या का नाम: छत्रपति शाहू महाराज का जीवन एवं विचार

(Name of the Course): Life and Thoughts of Chatrapati Shahu Maharaj

2.पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): DTSE206

3.क्रेडिट (Credit): 2

4.छमाही(Semester) : द्वितीय

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

- इस पाठ्यचर्या में 2 ईकाई है प्रत्येक ईकाई में मुख्य रूप से शीर्षक के साथ उपशीर्षक भी दिए गए है।
- इस पाठ्यचर्या मेंछत्रपति शाहू महाराज के जीवनदर्शन एवं विचारों के बारें में विद्यार्थियों को बताया जाएगा साथ ही शाहू महाराज के कार्य पर सविस्तर विश्लेषण किया जाएगा जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को ज्ञान अर्जित करने के लिए एक नई दिशा मिल सकती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम: (CLOs(Course Learning Outcomes):

- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विधार्थियों को छत्रपति शाहू महाराज के विचारों से परिचित करवाना.
- छत्रपति शाहू महाराज के कार्यों से विधार्थियों को प्रेरित करना.
- समाज की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए शाहू महाराज के विचारों की प्रासंगिकता है, इस विषय से संबंधित विद्यार्थी ज्ञान अर्जित करने के साथ इस विषय पर नए ज्ञान की उत्पत्ति करने की सम्भावना बन सकती है।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्य चर्या में प्रतिशत अंश (Percentag
		व्याख्यान	ट्युटोरिल	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला(Interaction/Training/Laboratory)		

						e share to the Course
मॉड्यूल 1	ईकाई 1) शाहू महाराज का जीवनदर्शन : 1.1)शाहू महाराज का जीवन परिचय 1.2)शाहू महाराज और कोल्हापुर का शासन 1.3)शाहू महाराज के कार्य 1.4)शाहू महाराज के सामाजिक विचार 1.5)शाहू महाराज के शिक्षा विषयक विचार	10	3	2	15	50
मॉड्यूल 2	ईकाई 2) शाहू महाराज का विशिष्ट व्यक्तियों का अंतरसंबंध **2.1)** शाहू महाराज के प्रेरणास्त्रोत ज्योतिबा फुले 2.2) डॉ. आंबेडकर और शाहू महाराज 2.3) शाहू महाराज और उनके गुरु 2.4) शाहू महाराज के आर्थिक विचार	10	3	2	15	50
योग	-	20	06	04	30	100

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches,Method,Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	पाठ्यचर्या से संबंधित विषय के ज्ञान को प्राप्त करना।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद,ट्युटोरियल
तकनीक	पी.पी.टीप्रस्तुति, प्रोजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र
उपादान	संबधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOS) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	पाठ्यचर्या के माध्यम से शाहू महाराज के कार्यों से विद्यार्थियों को प्रेरित करना तथा विधार्थियों में विषय के प्रति रूचि बढ़ाना	इस विषयके माध्यमसे विद्यार्थी ज्ञान को अर्जित कर सकेंगे.	-			-		-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/परीक्षा योजना Evaluation/Examination Planning):

क) सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मुल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75 %)
घटक	कक्षा में सतत मुल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Text books/ Reference/Resources)

क्र.सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण APA प्रारूप में**
1)	संदर्भ –ग्रंथ	1) Collins,Larry& Lapierre Dominique.(1987). Freedom at Midnight .Tarang: 2) नाईक, टू.बा.(2018).छत्रपति राजश्री शाहू महाराज. नई दिल्ली: मेहता पब्लिशिंग हाउस. 3) पवार,जयसिंगराव.(4) Vaidya, G.N. (1985)The Revolutionary Lawgiver no Kolhapur. , in Salunke. 5) Salunke.P.B.&M.G.Mali (1994). 'ChatarapatiShahu'The pillar of social Democracy.Education Department: Govt.of Maharashtra. 6) सिंह,श्याम सुंदर.(2016).छत्रपति शाहूजी महाराज संघर्ष और इतिहास. नई दिल्ली: सम्यक प्रकाशन.
2)	ई-संसाधन	1) **कोल्हापुर के शाहू**.https://hi.wikipedia.org/wiki 2) **शाहू महाराज: जिन्होंने 1902 में आरक्षण लागू किया.**https://www.bbc.com/hindi/india-44618504 3) Shahu of Kolhapur. https://en.wikipedia.org/wiki/Shahu_of_Kolhapur
3)	अन्य	----

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1.पाठ्यचर्याका नाम:दलित राजनीति
(Name of the Course): Dalit Politics

2. पाठ्यचर्याकाकोड:DTSC301
(Code of the Course)

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को दलित राजनीति से सामान्य परिचय कराना और जागृत कर विषय के प्रति रुचि तथा प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. दलित राजनीति के अध्ययन से दलित राजनीति के अवधारणा और इतिहास को समझ सकेगे।
2. दलित राजनीति का विचार समाज मे सकारात्मक उद्देश्य की पूर्ती मे योगदान देगे।
3. दलित राजनीति विचार से भारतीय राजनीति मे राष्ट्रीय एकता को समझते हुए एक सफल लोकतंत्र का निमार्ण करने मे योगदान दे सकेगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	दलित राजनैतिक विचार	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	ब्रिटिश भारत मे दलित राजनीति	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	आरक्षण नीति और लोकतंत्र	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	अम्बेडकर के बाद दलित राजनीति : दलित राजनैतिक दल	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	दलित राजनीती के विचार के प्रति रुचि, जागृत व समझ का विकास	अम्बेडकर के बाद की दलित राजनीती की समीक्षा	संबंधित विषय मे पाठय पुस्तको को पढने का कौशल और लेखन विकास मे निपुण बनाना	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Ambedkar, B.R. (1992).*Dr. Babasaheb Ambedkar: Writings and Speeches*. Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. 1 to 21. 2.Biswas, Oneil. (2001). *Dalits after Partition*. Delhi: Bluemoon Books. 3.Gore, M.S. (1993). *The social context of an Ideology: Ambedkar's political and Social Thought.* Delhi: Sage.

		4.Gupta, S.K. (1985). *The Scheduled Castes in Modern Indian Politics: Their Emergence as a Political Power*. Delhi: MunshiramManoharlal. 5.Louis, Prakash. (2003). *Political Sociology of Dalit assertion*. Delhi: Gyan Publishing House. 6.Michael, S.M.(Ed.). (1999). *Dalits in Modern India*. Delhi: Vistar Publications. 7.Omvedt, Gail. (1994). *Dalits and the Democratic Revolution: Dr. Ambedkar and the Dalit movement in Colonial India*. Delhi: Sage. 8.Omvedt, Gail. (1995). *Dalit Visions*. Delhi: Orient Longman. 9.Omvedt, Gail. 'Reservation in the Private Sector' The Hindu, 22 January 2001. 10. Rodrigues, V. (Ed.). (2002). *The essential writings of B.R. Ambedkar*. Delhi: Oxford University Press. 11.Shah, Ghanshyam. (Ed.). (2001). *Dalit Identity and Politics.* Delhi: Sage. 12.Sarkar, Sumit. (1983). *Modern India 1885-1947*. Delhi: MacMillan. 13. Yadav, K.C. (Ed.). (2000). *From Periphery to Centre Stage: Ambedkar, Ambedkarism and Dalit Future*. Delhi: Manohar. 14.Zelliot, Eleanor (1996). *From Untouchable to Dalit: Essays on the Ambedkar Movement*. Delhi: Manohar Publishers.
2	ई-संसाधन	--
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम: जनजातीय विकास
(Name of the Course): Tribal Development

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC302

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**तृतीय

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य जनजातीयसमुदाय के विकास मे व्यावहारिक सवालों,आदिवासी विकास, परीक्षण, अधिकार और जनजातीय मुद्दोंसे छात्रो को सामान्य परिचय स्पष्ट करानाऔर छात्रो को जागृत कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. छात्र जनजातीय समुदाय के सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, रोजगार आदि समस्या से परिचित होगा।
2. जनजातीय समस्या के अध्ययन से जनजातीय विकास और मुख्यधारा मे जोडने के लिए अपना योगदान दे सकेगा ।
3. जनजातीय विकास के कार्य से परिचित होकर जनजातीय विकास सरकारी योजना से जुड सकेगा।
4. जनजातीय विकास मुद्दो के लिए स्वय सेवा संस्था व गैर सरकारी संगठन के द्वारा राष्ट्र व लोकतंत्र को मजबूत करने के लक्षय को प्राप्त करने मे सहयोग प्रदान कर सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1.जनजातीयो की स्थिती: 1.1सामाजिक व 1.2आर्थिक समस्या, 1.3स्वास्थ और पोषण, 1.4शिक्षा-आवास , 1.5मदिरापान, 1.6समस्याए और समाधान।	10	3	2	15	25

मॉड्यूल-2	1जनजातीय प्रशासन व कल्याण: 1.1पाचवी और छठी अनुसूचीया, 1.3आदिवासी विकास की रणनीति 1.4संवैधानिक सुरक्षा, वन संसाधन व वन नियम	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	1.जनजातीय विकास और योजनाए: 1.1विकास की अवधारणा , 1.2राष्ट्रीय विकास परियोजनाए, 1.3सुनियोजित व व्यवस्थित विकास,1.4 राजकीय स्तर, आर्थिक विकास, स्वास्थ्य, आवासीय परियोजनाए, मत्स्य पालन, 1.5विस्थापन और पुनर्वास	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	1संगठन व विकास: गैर सरकारी संगठन,1.2वैश्विकरण और जनजातीयकार्य ,महत्त्व और योगदान 1.3 मीडिया व प्रिंट मीडिया के क्षेत्र मे 1.4विकास व भूमिका	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रो मे जनजातीय विकास के लिए प्रशासन व सरकार के कार्यो की नीती की समझ को प्रेरित करना	स्वयसेवा संस्था और गैर सरकारी संगठनो मे रोगजार की उपलब्धता का विकास	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.कुमार.,अरुण, (2016).,*जनजातीय, विकास एवं पंचायतीराज*, जयपुर, रावत प्रकाशन. 2.गुप्ता, रमर्णीका, (2008) Ed,. *आदिवासी विकास से विस्थापन*, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन 3.राजपूत, उदय सिंह, (2010).,*आदिवासी विकास एवं गैर-सरकारी संगठन*, जयपुर , रावत प्रकाशन. 4.तलवार, वीर भारत, (2012),*झारखंड के आदिवासीयो के बीच*, 2012, नई दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ प्राकाशन. 5.Chaudhry, S.K and Patnaik,S.M (2008). *IndianTribesand*

		the Mainstream. Jaipur: Rawat Publication. 6.Joshi, Vidyut, 2017, *Tribal Situation in India: Issues and Development*, Jaipur: Rawat Publication. 7.Mitra, Kakali Paul, 2004, *Development Programmes and Tribals*, delhi, kalpaz Publishing. 8.Taradatt, (2001). *Tribal Development in India*. New Delhi: Gyan Publishing House.
2	ई-संसाधन	--
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम: दलित अर्थशास्त्र
(Name of the Course): DalitEconomics

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC303

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**20**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को दलित अर्थशास्त्र के माध्यम से दलितो के आर्थिक व्यवस्था से सामान्य परिचय कराना और जागृत कर विषय के प्रति रुचि तथा प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. दलित आर्थिक विचार का सामान्य परिचय को प्राप्त कर सकेगा।
2. समाज मे आर्थिक असमानता के अवधारणा को समझ सकेगा और आर्थिक समानता के लिए प्रयासरत कार्य करेगा।
3. सरकार के दलित आर्थिक विकास कार्य व नीति, दलित उद्यमीऔर संगठन के माध्यम से अर्थ व्यवस्था के नवीन अवसर के मार्ग खुल सकेगे।
4. भारतीय आर्थिक व्यवस्था को मजबूत व सशक्त बनाने मे योगदान दे सकेगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	दलित आर्थिक विचार	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	पूर्व ब्रिटिश और ब्रिटिश भारत मे दलितआर्थिक गतिविधिया	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	दलित आर्थिक विकास के लिए सरकार की नीतिया	10	3	2	15	25

मॉड्यूल-4	दलित आर्थिक संगठन और दलितउद्यमी	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	दलित अर्थशास्त्र के समझ का विकास करना	संबंधित विषय मे पाठय पुस्तको को पढने का कौशल और लेखन विकास मे निपुण बनाना	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Ambedkar, B.R. (1992).*Dr. Babasaheb Ambedkar: Writings and Speeches*. Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. 1 to 21. 2.Biswas, Oneil. (2001). *Dalits after Partition*. Delhi: Bluemoon Books. 3.Dreze, Jean and Amartya Sen. (1998). *India: Economic Development and Social Opportunity*. Delhi: Oxford University Press. 4.Keer, D. (1971) Dr. Ambedkar: Life and Mission. Bombay: Popular Prakashan. 5.Michael, S.M.(Ed.). (1999). *Dalits in Modern India*. Delhi: Vistar Publications. 6.Omvedt, Gail. (1995). *Dalit Visions*. Delhi: Orient Longman.

		7.Omvedt, Gail. 'Reservation in the Private Sector' The Hindu, 22 January 2001. 8.Rodrigues, V. (Ed.). (2002). *The essential writings of B.R. Ambedkar*. Delhi: Oxford University Press. 9.Yadav, K.C. (Ed.). (2000). *From Periphery to Centre Stage: Ambedkar, Ambedkarism and Dalit Future*. Delhi: Manohar.
2	ई-संसाधन	1. ^ *"A new business class: Dalits who turned first-generation entrepreneurs". The Indian Express. 2015-10-11. Retrieved 2020-02-05.* 2. ^ *"Defying The Odds: The Rise Of Dalit Entrepreneurs". Forbes India. Retrieved 2020-02-05.* 3. Dalit Indian Chamber of Commerce and Industry. https://en.wikipedia.org/wiki/Dalit_Indian_Chamber_of_Commerce_and_Industry 4. ^ *"Govt schemes: Dalits to work as 'business correspondents'". Hindustan Times. 2020-01-03. Retrieved 2020-02-05.* 5. *"'I am Fighting Caste Through Capital. Creamy Layer Can Wait': How Dalits are Going About Their Business". News18. Retrieved 2020-02-05.* 6. ^ *Khandekar, Milind (2013-12-15). Dalit Millionaires: 15 Inspiring Stories. Penguin UK. ISBN 978-93-5118-583-3.* 7. *"Wealthy Dalit businessmen share their journey". NDTV.com. Retrieved 2020-02-05.* 8. ^ *"Why Are There So Few Dalit Entrepreneurs? The Problem of India's Casted Capitalism". The Wire. Retrieved 2020-02-05.*
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम:दलित साहित्य
(Name of the Course): DalitLiterature

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC304

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**तृतीय

5पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को दलित साहित्य का सामान्य परिचय कराना और जागृत कर विषय के प्रति रुचि तथा प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. छात्र दलित साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेगा।
2. समाज मे अन्य साहित्य के साथ दलित साहित्य के प्रसंगिकता व महत्त्व को समझ सकेगा।
3. भारतीय साहित्य के सभी साहितियक परंपरा से जुड सकेगा और साहित्य संसार मे योगदान दे सकेगा।
4. भारतीय साहित्य जगत मे नवीन रोजगार उपलब्ध हो सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	दलित साहित्य : प्रकृति एवं क्षेत्र, पूर्व ब्रिटिश और ब्रिटिश भारत मे दलित साहित्य; फुले और अम्बेडकर लेखन	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	दलित कविता, दलित आत्मकथाए और दलित उपन्यास	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	दलित लघु कहानिया	10	3	2	15	25

	और पुस्तिका, दलित बयान,दलित कला और रेखाचित्रउपन्यास					
मॉड्यूल-4	दलित साहित्य आंदोलन: दलित साहित्य उत्सव	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	दलित साहित्य के समझ का विकास और प्रेरित कर दलित साहित्य के प्रति रुचि पैदा करना	संबंधित साहित्य के रुचि के लिये संदर्भ पुस्तको को पढने के लिये बताना	दलित साहित्य दलित समाज के इतिहास, संस्कृति, आदि का विकास	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Abraham, Joshil.K., Misrahi-Barak, Judith (Ed.) (2015). *Dalit Literatures in India: In, Out and Beyond*. Routledge. 2.Anand, Mulk Raj., Zelliot,E. (1992). *An Anthology of Dalit Literature*. Gyan Publications, Delhi. 3.Dangle, Arjun , (1992). *Poisoned Bread: Translations from Modern Marathi Dalit Literature*. Hyderabad: Orient

		Longman. 4.Limbale, Sarana Kumara. (2004).*Towards an esthetic of Dalit Literature*. Orient Longman. 5.Misrahi-Barak, Judith. Satyanarayana, K., Thiara, Nicole. (Ed.) (2019). *Dalit Text: Aesthetics and Politics Re-imagined*, Delhi: Routledge. 6.Pawar, Daya. (2015). *Baluta*. (Eng.tr.). Jerry Pinto, Feel books Publishers. 7.Valmiki, Omprakash. (2013). *Joothan: An Untouchable's life.* (English tr.). Arun Prabha Mukherjee. University Press. 8.Thiara, Nicole, Abraham, JoshiI.K . (2019), "Editorial: Why should we read Dalit Literature?". *The Journal of Commonwealth Literature* . Vol. 54(1) 3–8. 9.Vaman Nimbalkar, Dalit Literature, Nature and Role, PrabhodanPrakashan, 2006.
2	ई-संसाधन	--
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम: दलित भारतीय महानायक
(Name of the Course): DalitIndian Leaders

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSE305

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को दलित महानायक नेता और महापुरुषो का सामान्य परिचय कराना और जागृत कर विषय के प्रति रुचि तथा प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. छात्र दलित नेता और महापुरुषो का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेगा।
2. समाज मे उन नेता और महापुरूषो के दलित समाज मे वर्तमान प्रसंगिकता व महत्त्व को समझ सकेगा।
3.भारतीय समाज मे दलित महानायक व महापुरुषो के राष्ट्र निर्माण मे किये गए योगदान को जान सकेगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पूर्व-ब्रिटिश काल में दलित नेता	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	ब्रिटिश काल के दौरान दलित नेता	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	स्वतंत्र भारत में दलित नेता	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	दलित नेताओं और उनकी विचारधाराओं औरएकत्रित करने का रणनीतियों का अवलोकन	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रो मे दलित महानायक के बारे मे जानकारी देना	दलित महानायको के बारे मे अध्यापन करने के लिये संबंधित गन्थो के बारे मे बताना	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Ambedkar, B.R. (1992).*Dr. Babasaheb Ambedkar: Writings and Speeches*. Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. 1 to 21. 2.Biswas, Oneil. (2001). *Dalits after Partition*. Delhi: Bluemoon Books. 3.Mane, Suresh. (2009). *Glimpses of Socio-Cultural Revolts in India*. Mumbai: Arati&Co. 4.Michael, S.M.(Ed.). (1999). *Dalits in Modern India*. Delhi: Vistar Publications. 5.Omvedt, Gail. (1994). *Dalits and the Democratic*

		Revolution: Dr. Ambedkar and the Dalit movement in Colonial India. Delhi: Sage. 6.Omvedt, Gail. (1995). *Dalit Visions*. Delhi: Orient Longman. 7.Rao, M.S.A. (2000). *Social Movements in India*. Delhi: Manohar. 8.Shah, Ghanshyam. (1990). *Social Movements in India: A review of the Literature.* Delhi: Sage. 9.Shah, Ghanshyam. (Ed.). (2001). *Dalit Identity and Politics.* Delhi: Sage. 10.Zelliot, Eleanor (1996). *From Untouchable to Dalit: Essays on the Ambedkar Movement*. Delhi: Manohar Publishers.
2	ई-संसाधन	--
3	अन्य	---

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्युटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो /क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिट	60

1. पाठ्यचर्या का नाम: जनजातीय भारतीय महानायक
(Name of the Course): Tribal Indian Leaders

2.पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSE306

3.क्रेडिट (Credits): 4

4. छमाही (Semester): तृतीय

5.पाठ्यचर्या विवरण:(Description of Course):

- इस पाठ्यचर्या में 4 ईकाई है प्रत्येक ईकाई में मुख्य शीर्षक के साथ उपशीर्षक भी दिए गए है|.
- प्रस्तुत पाठ्यचर्या में जनजातीय भारतीय महानायको के कार्यों के विषय में बताया जाएगा जिसके माध्यम से विद्यार्थि को जनजाति के महानायक की ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर परिचित किया जाएगा।
- जनजाति समुदाय के समकालीन एवं आधुनिक नेता/ महानायक पर विद्यार्थियों को ज्ञान को प्राप्ति करने के लिए प्रेरित करना

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम: (Course Learning Outcomes)

- पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थियों को जनजातीय महानायक के कार्यों से तथा जनजातीय समाज की ऐतिहासिक दृष्टिकोण में जिज्ञासा निर्माण करना।
- जनजातीय महानायक पर इस विषय से संबंधित विद्यार्थीयों में रूचि निर्माण करने के साथ ही ऐसे विषयों पर विद्यार्थियों को नया दृष्टिकोण प्रदान करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्यामें प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course
		व्याख्यान	ट्युटोरिल	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/Laboratory)		

मॉड्यूल 1	ईकाई 1) ब्रिटिश भारत में जनजातीय महानायक 1.1)सिद्धू कान्हु मुर्मू 1.2)बिरसा मुंडा छोटा नागपुर 1.3)वीर नारायण सिंह छत्तीसगढ़ 1.4)श्री अल्लूरी सीता राम राजू आंध्रप्रदेश 1.5)तिलका मांझी 1.6)शहीद वीर बुधु भगत 1.7)वीर तेलंगा खड़िया 1.8)ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव 1.9)पण्डेय गनपत राय 1.10टिकैत उमराव सिंह 1.11)ख भीखारी 1.12)नीलाम्बर –पिताम्बर 1.13)जतरा भगत 1.14)गया मुंडा	10	3	2	15	25
मॉड्यूल 2	ईकाई 2) पूर्वोत्तर के जनजातीय महानायक 2.1) शोर्य 2.2) लिजिन्द्रियां 2.3) गीतों में वीर	10	3	2	15	25
मॉड्यूल 3	ईकाई 3) समकालीन भारत के जनजातीय नायक 3.1) जयपाल सिंह मुंडा 3.2) शिबू सोरेन 3.3) रामदयाल मुंडा 3.4) कार्तिक उरांव	10	3	2	15	25
मॉड्यूल 4	ईकाई 4) आदिवासी राजनीतिक नेता : 4.1)अजित जोगी 4.2) अर्जुन मुंडा 4.3)करिया मुंडा 4.5) पी.एन.संगमा	10	3	2	15	25
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Method,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद,ट्युटोरियल
तकनीक	पी.पी.टी.प्रस्तुति, प्रोजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र
उपादान	संबधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOS) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcomes Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियों को जनजातीय नायक के ऐतिहासिक तथ्यों से प्रेरित करना ।	जनजातीय नायक के किए हुए कार्यों से विद्यार्थियों कोपरिचित करना।	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/परीक्षा योजना Evaluation/Examination Planning):

क) सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मुल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75 %)
घटक	**कक्षा में सतत मुल्यांकन**	**उपस्थिति**	**सेमिनार***	**सत्रीय पत्र#**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Text books Reference/Resources)

क्र.सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण APA प्रारूप में**
1)	संदर्भ–ग्रंथ	1.भुवनेश्वर, अनुज.(2013).झारखण्ड के शहीद, नई दिल्ली: झारखण्ड झरोखा, क्लासिकल पब्लिशिंग कं. 2.रमणिका,गुप्ता(2012).आदिवासी शौर्य एवं विद्रोह.नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रायवेट लिमिटेड .
2)	ई-संसाधन	1)Tribal Leaders Directory. https://www.bia.gov/tribal-leaders-directory 2) Tribal Leadership vs.Congress I in India. https://www.culturalsurvival.org/publications/cultural-survival-

		quarterly/tribal-leadership-vs-congress-i-india 3)Ajit Jogi: A formidable leader and pivot of tribal politics dead at 74.https://www.hindustantimes.com/india-news/ajit-jogi-a-formidable-leader-and-pivot-of-tribal-politics-dead-at-74/story-Va3ifxnU28YinpEEaQVxoI.html 4)Tribal Politics.https://www.encyclopedia.com/international/encyclopedias-almanacs-transcripts-and-maps/tribal-politics 5) Political Parties Compete for Vote of India's Tribal Community.https://thewire.in/environment/political-parties-compete-for-vote-of-indias-tribal-community 6)Tribal Leadership in Bihar.https://www.jstor.org/stable/4358490?seq=1 7) In Depth-Tribal leaders are mere pawns in Politics.https://www.downtoearth.org.in/indepth/tribal-leaders-are-mere-pawns-in-politics-13215
3)	अन्य	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम: दलित नारी और जनजातीय नारी
(Name of the Course): Dalit Women and Adivasi Women

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC401

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**चतुर्थ

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को दलित और जनजातीय नारी से सामान्य परिचय कराना और जागृत कर उनके प्रति रुचि तथा प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. छात्र दलित व जनजातीय नारीका सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेगा।
2. समाज मे सभी नारी के प्रति सम्मान व समानता के विचार से जागृत हो सकेगा।
3. जाति, प्रजाति, लिंग तथा भारतीय समाज के नारीयो के साथ-साथ दलित नारी के सामाजिक स्थिती को जान सकेगे।
4. दलित और जनजातीय महिलाओ के अधिकार व मुद्दे हिंसा के लिए सामाजिक संगठन आदि के माध्यम से समाज को प्रेरित कर सकेगा।
4. महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य मे योगदान दे सकेगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	नारीवाद का सिद्धांत: दलित नारिवाद	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	प्रजाति, जाति, और लिंग बौद्ध धर्म और नारी पित्रसत्ता हिंदू समाज मे महिलाओ की प्रस्थिती	10	3	2	15	25

मॉड्यूल-3	दलित और आदिवासी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	राष्ट्रीय महिला आयोग, दलित और जनजाती महिला मुद्दे और अधिकार	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	दलित और जनजाती नारी के नारिवाद के समझ का विकास	समाज मे जति, लिंग, हिंसा और सामाजिक स्थिती को समझना	भारतीय समाज मे महिलाओ की दलित नारीवाददृष्टिकोण को समझना	-	-	-	-	-

टिप्पणी:
1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.De, Debasree. (2018). *A History of Adivasi Women in Post-Independence Eastern India*. New Delhi: Sage. 2.Gross, Rita, M. (1993). Buddhism after Patriarchy: A Feminist History, Analysis and re-construction of Buddhism. New Yor: State University of New York Press. 3.Jogdand, P.G. (Ed.). (1995). *Dalit Women, Issue &*

		Perspectives. New Delhi: Gyan Publication. 4.Prasad, J.S. (2017). *Dalit Women and Human Rights.* Centrum Press. 5.Rao, V. S. (2019). *Adivasi Rights and Exclusion in India.* New Delhi: Manohar.
2	ई-संसाधन	National Commission for Women. https://en.wikipedia.org/wiki/National_Commission_for_Women
3	अन्य	--

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**20**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**-**
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम:दलित पर्यटन
(Name of the Course): Dalit Tourism

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC402

3. क्रेडिट (Credit):4

4. **सेमेस्टर (Semester):**चतुर्थ

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो को दलितपर्यटन से सामान्य परिचय कराना और जागृत कर उनके प्रति रुचि तथा प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. छात्र दलित पर्यटन का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेगा।
2. दलित पर्यटन के माध्यम से दलित संस्कृति के ऐतिहासिहक स्थलो के महत्व को जान सकेगे ।
4. दलित पर्यटन से दलित समुदाय के लोगो को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेगे ।
5. भारतीय अर्थव्यवस्था एवं राष्ट्र एकता निर्माण मे विकास हो सकेगा ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पर्यटन: अवधारणाऔर सिद्धांत, पर्यटन और अर्थव्यवस्था	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	भारत में दलित पर्यटन	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	अंतर्राष्ट्रीय दलित पर्यटन स्थल	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	दलित कला और कल्पना	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	दलित पर्यटन के समझ महत्व का विकास	दलित पर्यटन के माध्यम से छात्रो मे दलित ऐतिहासिहक स्थलो से परिचय	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:
1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):
क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1. Cooper, Fletcher (et al.). (1993). *Tourism Principles and Practices*. Pitman. 2. Mill. Morrison. (1992). *The Tourism System: An Introductory Text*. Prentice Hall. 3. Sinclair, M. Thea and Stabler, Mike. (1997). *The Economics of Tourism*. London: Rutledge. 4. Tartakov, Gary Michael. (2013). *Dalit Art and Visual Imagery*, New Delhi: Oxford University Press.
2	ई-संसाधन	1.Dr. Ambedkar and Columbia University: A legacy to Celebrate.https://blogs.cul.columbia.edu/global-studies/2019/04/15/speaking-truth-to-power-dr-ambedkar-and-columbia-university/ 2.Ambedkar Memorial in London. https://thewire.in/diplomacy/india-fights-closure-of-ambedkar-memorial-in-london 3.Ambedkar London Memorial Inauguration. https://www.thehindubusinessline.com/news/pm-inaugurates-ambedkar-memorial-in-london/article7878234.ece 4..Ambedkar Memorial Park, Lucknow. https://en.wikipedia.org/wiki/Ambedkar_Memorial_Park

		5.Rashtriya Dalit Prernasthal. https://en.wikipedia.org/wiki/Rashtriya_Dalit_Prerna_Sthal_and_Green_Garden 6.Dr. Ambedkar National Memorial. http://delhitourism.gov.in/delhitourism/entertainment/ambedkar_national.jsp 7.Dr. Ambedkar Memorial Park, Vijayawada, Amaravati. https://en.wikipedia.org/wiki/Dr._B._R._Ambedkar_Memorial_Park 8.Deekshabhoomi, Nagpur. https://en.wikipedia.org/wiki/Deekshabhoomi 9.Chaityabhoomi, Mumbai. https://en.wikipedia.org/wiki/Chaitya_Bhoomi 10.Bhim Janmabhoomi, Mhow. https://en.wikipedia.org/wiki/Bhim_Janmabhoomi
3	अन्य	--

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**20**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

1.पाठ्यचर्या का नाम:शोध प्रविधी
(Name of the Course): Research Methodology

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC403

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**चतुर्थ

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्यादलित और जनजाति विषय समुदाय पर आधारित होने से छात्रो को दलित और जनजाति समुदाय पर शोध करने के लिए प्रेरित व रुचि पैद करता है साथ ही शोध प्रविधी मे दलित जनजातिदृष्टिकोण प्रविधी का बोध कराता है,इस पाठ्यचर्या के माध्यम से दलित जनजाति मुद्दो, समस्या, शोषण, जाति आदि पर शोध करने के लिए जागृत करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1. छात्र सामाजिक विज्ञान शोध प्रविधी से सामान्य परिचय व ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।
2. दलित जनजाती अध्ययन शोध प्रविधी के दृष्टिकोणका निर्माण होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शोध की अवधारणा	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	शोध के प्रकार	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	शोध अभिकल्प	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	दलित और जनजातीय अध्ययन के शोध मे विभिन्न दृस्टीकोण	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादानः

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, ट्यूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रो मे दलित जनजाती समस्या, विकास आदि जैसे विषय पर शोध करने की जिज्ञासा को विकसित करना	सामाजिक विज्ञान शोध प्रविधी के साथ दलित जनजाती शोध प्रविधी का बोध कराना	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Krishnasawmy, O.R. &Ranganatham, M. (2011). *Methodology of Research in Social Sciences.* Himalaya Publishing House. 2.Thamilarasan, M. (2015). Research Methodology for Social Sciences. Ingram. 3.Giri, Arunangshu, & Biswas, Debasis. (2018). Sage Publications. 4.Bryman, Alan. (2018). Social Research Methods. Oxford University Press.
2	ई-संसाधन	---
3	अन्य	--

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	-
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	-
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	

1.पाठ्यचर्या का नाम: परियोजना कार्य
(Name of the Course): Project work

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSC404

3.क्रेडिट(Credit):4(क्रेडिट 1क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षणआधारितप्रस्तुतीकरण, क्रेडिट 2परियोजना/प्रतिवेदन लेखनक्रेडिट 1मौखिकी

4. **सेमेस्टर(Semester):**चतुर्थ

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्यादलित और जनजाति विषय समुदाय पर छात्रो को दलित और जनजाति समुदाय पर शोध करने के लिए परियोजना कार्य छात्रो के रुचि के अनुसार दलित जनजाती शोध प्रविधी दृष्टिकोण के माध्यम से दलित जनजाति मुद्दो, समस्या, शोषण, जाति आदि पर शोध परियोजना कार्य करने के अवसर उपलब्ध करना।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -
1.छात्र दलित जनजाति समुदाय क्षेत्र के अपने रुचि अनुसार परियोजना कार्य का चुनाव करते है।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	-	-	-	-	-	-
मॉड्यूल-2	-	-	-	-	-	-
मॉड्यूल-3	-	-	-	-	-	-
मॉड्यूल-4	-	-	-	-	-	-
मॉड्यूल-5--	-	-	-	-	-	-
योग						

टिप्पणी:
1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादानः
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विषय आधारित अधिगम ।
विधियाँ	क्षेत्र अध्ययन , संदर्भ ग्रंथ, साक्षात्कार, बयान आदि ।
तकनीक	इंटरनेट , लॅपटॉप, आदि
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास व परियोजना कार्य लेखन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्सः
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	शोध के विभिन्न दृस्टिकोण के आयाम मे दलित जनजाति शोध दृस्टिकोण का विकास	दलित जनजाती विषयो पर शोध परियोजना कार्य कर भविष्य मे शोध करने मे रुचि का विकास	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**
	क्रेडिट1 क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	**क्रेडिट 2** परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	**क्रेडिट1** मौखिकी

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	संदर्भ-ग्रंथ	--
2	ई-संसाधन	--
3	अन्य	--

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1.पाठ्यचर्या का नाम:भारत के आर्थिक और राजनीति पर अम्बेडकर के विचार

(Name of the Course): Thoughts of Ambedkar on Indian Economics and Politics

2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):DTSE405

3. क्रेडिट(Credit):4

4. **सेमेस्टर(Semester):**चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिटघंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रो भारत के आर्थिक और राजनीति पर अम्बेडकर के विचार से सामान्य परिचय कराना और जागृत कर विषय के प्रति रुचि तथा प्रारंभिक ज्ञान प्रदान कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):इस पाठ्यचर्या को करने के बाद छात्र: -

1.अम्बेडकर के विचार का सामान्य परिचय को प्राप्त कर सकेगा।
2. ब्रिटिश भारत के भू- राजस्व व्यवस्था और भारतीय अर्थव्यवस्था के विचार को जान सकेगे ।
3. अम्बेडकर के आर्थिक और राजनीतिक विचार के महत्व को जान सकेगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	ब्रिटिश भारत के भूमि राजस्व प्रणाली पर विचार	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-2	भारतीय अर्थव्यवस्था पर विचार	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-3	भारतीय राजनीति पर विचार	10	3	2	15	25
मॉड्यूल-4	भारतीय विदेश नीति पर विचार	10	3	2	15	25
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम।
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद, टूटोरियल।
तकनीक	पी पी टी प्रस्तुती,प्रॉजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र।
उपादान	संबंधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल का विकास।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रो को अम्बेडकर के विचारो से बोध कराना और उनके विचारो के प्रति समझ का विकास करना	संबंधित विषय पर पुस्तको को पढने के रुचि का विकास करना	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	1.Ambedkar, B.R. (1992).*Dr. Babasaheb Ambedkar: Writings and Speeches*. Bombay: Education Department, Government of Maharashtra. Vol. 1 to 21. 2.Dongre, M.K. (1974). *Economic Thoughts of B.R. Ambedkar*. Nagpur: JogendraKawade on behalf of Ambedkar Samaj Publications. 3.Guru, Gopal. *(1993). Dr. Ambedkar's Concept of Political Power and the question of Dalit Movement.* Dr. B.R. Ambedkar Memorial Lecture-1991. Hyderabad: Dr. Ambedkar Memorial Trust. 4.Gore, M.S. (1993). *The social context of an Ideology: Ambedkar's*

		political and Social Thought. Delhi: Sage. 5.Kasare, M.L. (1996). *Economic Philosophy of Dr. Ambedkar*. New Delhi: B.I. Publications Private Limited. 6.Rodrigues, V. (Ed.). (2002). *The essential writings of B.R. Ambedkar*. Delhi: Oxford University Press. 7.Zelliot, Eleanor (1996). *From Untouchable to Dalit: Essays on the Ambedkar Movement*. Delhi: Manohar Publishers.
2	ई-संसाधन	---
3	अन्य	--

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्युटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो /क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिट	30

1. पाठ्यचर्या का नाम: पेरियार ई.वी.रामासामी के जीवन और विचार
(Name of the course) : Life And Thoughts of E.V.Periyar Ramaswami

2.पाठ्यचर्या का कोड(Course of the Code) DTSE406

3.क्रेडिट(Credits): 2

4.छमाही(Semester): चतुर्थ

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):

- इस पाठ्यचर्या में 2 ईकाई है प्रत्येक ईकाई में मुख्य शीर्षक के साथ उपशीर्षक भी दिए गए है।
- प्रस्तुत पाठ्यचर्या में पेरियार रामसामी के जीवनदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को विचारों से परिचित कराना ।
- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी को पढ़ने के लिए प्रेरित करना।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम(CLOs(Cours Learning Outcomes):

- पाठ्यचर्या के माध्यम से पेरियार ई.वी.रामासामी के विचारों से अवगत कराना।
- पेरियार ई.वी.रामासामी के कार्यों से विधार्थियों में जिज्ञासा निर्माण करना।
- इस विषय से संबंधित विद्यार्थीयों में रूचि निर्माण करना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course
		व्याख्यान	ट्युटोरिल	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला(Interaction/Training/Laboratory)		
मॉड्यूल 1	ईकाई 1) पेरियार ई.वी.रामासामी का जीवन एवं कार्य : 1.1)पेरियार ई.वी.रामासामी का सामान्य परिचय 1.2)राजनीतिक कार्य – 1.3)वायकोम सत्याग्रह	10	3	2	15	50

	1.4)जस्टिस पार्टी 1.5)द्रविड़ कग्झम 1.6)आत्मसम्मान आंदोलन 1.7)कुड़ी आरसु					
मॉड्यूल 2	ईकाई 2) पेरियार ई.वी.रामासामी के सामाजिक विचार : 2.1)हिन्दू धर्म पर पेरियार ई.वी.रामासामी के विचार 2.2) बुद्धिज़्म पर पेरियार ई.वी.रामासामी के विचार 2.3) इस्लाम धर्म पेरियार ई.वी.रामासामी के विचार 2.4) ख्रिच्शन धर्मं पर पेरियार ई.वी.रामासामी के विचार 2.5) अस्पृश्ता पर पेरियार ई.वी.रामासामी के विचार 2.6) साम्यवाद पर विचार	10	3	2	15	50%
योग		20	0 6	04	30	100%

टिप्पणी:

1.माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches,Method,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्ष-कक्षा व्याख्यान, संवाद,ट्युटोरियल
तकनीक	पी.पी.टी.प्रस्तुति, प्रोजेक्टर, व्हाइट बोर्ड, चलचित्र
उपादान	संबधित विषय पर समझ एवं लेखन कौशल विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOS) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcomes):

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	पाठ्यचर्या के माध्यम से पेरियारई.वी.रामसामी के कार्यों के प्रति विद्यार्थियों में रूचि और जिज्ञासा निर्माण निर्माण करना।	पेरियार ई.वी.रामसामी के विचारों से विद्यार्थियों को परिचित करना।	-	-		-		-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना Evaluation/Examination Planing):

क) सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मुल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75 %)
घटक	कक्षा में सतत मुल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Text books/ Reference/Resources)

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण APA प्रारूप में
2)	संदर्भ –ग्रंथ	**1)**Collected Works of Periyar E.V.R.,Periyar Self-Respect Movement, Madras,1992. **2)**G,Aloysius.(2005).Periyar on Buddhism. New Delhi:Critical Quest. **3)**K.Veermani.(1998).Periyar on Religion, Emerald Publishers.
3)	ई-संसाधन	1)पेरियार.https://hi.wikipedia.org/wiki 2) PeriyarE.V.Ramasamy.https://en.wikipedia.org/wiki/Periyar_E._V._Ramasamy 3)ब्राम्हणवाद विरोधी पेरियार की विवादित 15 बाते.https://hindi.news18.com/news/knowledge/15-controversial-quotes-of-periyar-1294446
4)	अन्य	-

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर-सिदो-कान्हू–मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र

संस्कृती विद्यापीठ

कार्यवृत्त

अध्ययन मंडल की 18 वीं बैठक

दिनांक 28/10/2020

अध्ययन मंडल (BOS) की 18 वीं बैठक दिनांक 28/10/2020 (बुधवार) को अपराह्न 03.00 बजे प्रो. एल. कारूण्यकरा के अध्यक्षता में निदेशक महोदय के कक्ष में संपन्न की गई।

बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे।

1) प्रो. एल. कारूण्यकरा, निदेशक - अध्यक्ष
2) प्रो. प्रदीप आगलावे, नागपूर विश्वविद्यालय, बाह्य विशेषज्ञ - सदस्य
3) डॉ. के. वाई. रत्नम, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, बाह्य विशेषज्ञ - सदस्य
4) डॉ. राकेश सिंह फकलियाल, सहायक प्रोफेसर - सदस्य
5) श्री वशिष्ठ भगत, भुतपूर्व शोधार्थी - सदस्य

बैठक में आतंरिक सदस्य एवं अध्यक्ष, शारिरीक दूरी (Physical Distancing) को ध्यान में रखते हुए तथा बाह्य विशेषज्ञ प्रो. प्रदीप आगलावे, नागपूर विश्वविद्यालय एवं डॉ. के. वाई. रत्नम, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, बाह्य विशेषज्ञ से फोन व ई-मेल द्वारा संपर्क कर बैठक संपन्न की गई।

बैठक का कार्यवृत्त निम्नानुसार है-

मद क्र. 01 : सत्र 2020-21 से विवरणिका सत्र 2020-21 में दर्शाए गए क्रेडिट के अनुसार एम.ए. दलित एवं जनजातीय अध्ययन पाठ्यक्रम का पाठ्यचर्या (syllabus) 80 क्रेडिट से 90 क्रेडिट का प्रस्ताव रखा गया। एम.ए. दलित एवं जनजातीय अध्ययन पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या (Syliabus) अनुलग्नक "ए" निर्णयार्थ रखी गयी।

निर्णय: सत्र 2020-21 से एम.ए. दलित एवं जनजातीय अध्ययन पाठ्यक्रम का 90 क्रेडिट के पाठ्यचर्या (Syllabus) अनुलग्नक "ए" को संस्तुति की गयी।

मद क्र. 02 : सत्र 2020-21 से पी-एच.डी अध्यादेश क्र. 45/2020 के अनुसार पाठ्यक्रम पी-एच.डी. कोर्स वर्क का पाठ्यचर्या (Syllabus) में पी-एच.डी. दलित एवं जनजातीय अध्ययन पाठ्यक्रम का क्रेडिट 20 करने का प्रस्ताव रखा गया। पी-एच.डी दलित एवं जनजातीय अध्ययन पाठ्यक्रम कोर्स वर्क का पाठ्यचर्या (Syllabus) अनुलग्नक "बी" निर्णयार्थ रखी गयी।

निर्णय: सत्र 2020-21 से पी-एच.डी दलित एवं जनजातीय अध्ययन पाठ्यक्रम का 20 क्रेडिट के कोर्स वर्क पाठ्यचर्या (Syllabus) अनुलग्नक "बी" को संस्तुति की गयी।

धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत बैठक संपन्न हुई।

प्रो. प्रदीप आगलावे, सदस्य एवं डॉ. के. वाई रत्नम, सदस्य से उक्त कार्यवृत्त की ई-मेल के माध्यम से सहमती लि गयी।

28/10/2020	(BY EMAIL)	(By EMAIL)	28-10-20	28-1
प्रो. एल. कारूण्यकरा अध्यक्ष	प्रो. प्रदीप आगलावे सदस्य	डॉ. के. वाई. रत्नम, सदस्य	डॉ. राकेश सिंह फकलियाल सदस्य	वशिष्ठ भगत सदस्य